शजरतन तैय्येबतन असलोहा साबेतुन
व फ़रओ़हा फ़िस्समाए

शजरह शरीफ़

सूजा शरीफ़ बाड़मेर (राज.)

نقشِ نعلینِ مبارک

جو سر پہ رکھنے کو مل جائے نعل پاک حضور ﷺ
تو پھر کہیں گے کہ ہاں تاج دار ہم بھی ہیں

سلطانِ دو جہاں ﷺ

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ○

ख़ुशा मस्जिदो मदरसा, ख़्वानक़ाहे।

कि दरवे बुवद क़ीलो क़ाले मुहम्मद ॥

शजरतन तैय्येबतन
असलोहा साबेतुन व
फ़रओ़हा फ़िस्समाए

शजरह शरीफ़

(हस्बे फ़रमाइश)

गुले गुलशने नक्शबन्दियत रहबरे शरीअत
पीरे तरीक़त साहेबे इल्मोहिकमत

हज़रत अल्लामा मौलाना अश्शाह सैय्यद
बापू गुलाम हुसैन शाह जीलानी कुद्दि स सिर्रुहू

बानिए दारूल उलूम फ़ैज़े सिद्दिक़िया
सूजा शरीफ़, बाड़मेर (राज.)

: नाशिरीन :
गुलामाने नक्शबन्द, जोधपुर (राज.)

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

सिलसिला आ़लिया नक्शबन्दिया की फ़ज़ीलत

इस बुलन्द मर्तबा तरीक़े के बुज़ुर्गों की नज़रे हिम्मत बहुत बुलन्द वाकेअ हुई है। किसी रियाकारो - रक्कास के साथ ये निस्बत नहीं रखते, इसलिये दूसरों की निहायत इनकी बिदायत में दर्ज है और इस तरीके का मुब्तदी दूसरे तरीक़ों के मुन्तही का दर्जा रखता है और इनका सफ़र इब्तिदा से ही वतन में मुक़र्रर हो चुका है और ख़लवत दर अंजुमन इनको हासिल है। दवामे हुज़ूर इनका नक़्देवक़्त है।

यही हैं कि तालिबों की तरबियत इनकी बुलन्द सोहबत से वाबिस्ता है और नाक़िसों की

तक्मील इनकी तवज्जुह शरीफ़ से मुतअल्लिक़ है। इनकी नज़र अमराज़े क़ल्ब को शिफ़ा बख़्शती है और इनका इल्तेफात, माअनवी बीमारियों को दूर करता है। इनकी एक तवज्जुह सो चिल्लों का काम करती है और इनका एक इल्तेफ़ात सालहा साल के रियाज़ात, मुजाहिदात के बराबर है। इनके नज़दीक हुजूरे ज़ाती दाइमी का एतबार है। ग़ैबत से बदल जाने वाले का कोई एतबार नहीं। लिहाज़ा इनकी निस्बत तमाम निस्बतों से बरतर है। मज़ीद तअज्जुब यह है कि इब्तिदा में वो कुछ मिल जाता है जो दूसरों को निहायत में जाकर मुयस्सर आता है।

नक्शबन्दिया अजब क़ाफ़िला सालारानंद
कि बुरन्द अज़ राहे पिन्हा सूए हरम काफलारा

आदाबे मुर्शिद

तालिब को चाहिये कि मुर्शिद करीम के वुजूद मसऊद को ग़नीमत जाने। खुद को उसके हवाले कर दे। उसकी रज़ा में अपनी नेकबख़्ती और नाराज़गी में बदबख़्ती तसव्वुर करे। अपनी तमाम तर ख़्वाहिशात को मुर्शिद की रज़ा के ताबेअ कर दे। हुजूर और मजलिस में हर तरफ़ से जुदा होकर हमातन मुर्शिद की तरफ़ मुतवज्जिह रहे। बग़ैर इजाज़त कहीं ना जाए और ना ही फ़र्जों सुन्नत के सिवा किसी नफ़्ली काम में मशगूल हो।

मुर्शिद के बैठने की जगह ना बैठे। मुर्शिद के खड़े होने की जगह ना खड़ा हो। मुर्शिद की जाय नमाज़ पर पांव ना रखे, ना ही ठोकर लगने दे। मुर्शिद पर अपना साया ना करे। मुर्शिद के साये पर

कदम ना रखे। मुर्शिद की हर मखसूस चीज़ लोटा, कपड़ा, बर्तन, जायनमाज़ वगैरह का अदब करे, हर्गिज़-हर्गिज़ उन्हें इस्तेमाल ना करे। जिस तरफ़ मुर्शिद हो उस तरफ मुंह करके ना थूके, ना ही उधर पांव फैलाए। मुर्शिद के हुजूर में खाने पीने और किसी से बोलने से परहेज करे, वुज़ू करने की जगह वुज़ू ना करे।

मुर्शिद जो कुछ करते हैं या उनसे सदिर होता है वो इल्हाम से है जो इज्तिहाद के हुक्म में है। लिहाज़ा वो अगरचि ना दुरुस्त हो उसे दुरुस्त जाने। इस पर राई बराबर ऐतराज़ दिल में ना रखे क्योंकि महबूब का हर अम्र मुहिब के लिये महबूब है। खाने-पीने, सोने-जागने यहां तक कि इबादत में भी मुर्शिद की इक़तिदा लाज़िम है।

नमाज़ उसी ढंग से पढ़े जिस ढंग से मुर्शिद पढ़ते हैं। फ़िक़हा के मसाइल मुर्शिद के अमल से अख़ज़ करे। मुर्शिद के किसी फ़ैअल में ऐतराज़ को ज़र्राह बराबर जगह ना दे कि यह हिरमां नसीबी है। फ़क़ीरों का ऐब्ज़ू सबसे बड़ा बदबख़्त है, 'नज्जा नल्लाहु तआला अन हाज़ल बला इल अज़ीम।'

मुर्शिद से करामत तलब ना करे कि यह कुफ़्फ़ार का तरीक़ा है। अगर कोई वसवसा हो तो मुर्शिद से बयान करके दूर करवाए। अगर दूर ना हो तो अपना कसूर समझे। ख़्वाब की मुर्शिद से ताअबीर करवाए। बग़ैर ज़रूरत व रुख़्सत हर्गिज़ मुर्शिद से जुदा न हो। दूसरे की मुर्शिद के बिल मुक़ाबिल ना ताअरीफ़ करे ना तरजीह दे। हुज़ूर में बआवाज़े बुलन्द ना बोले। किसी

क़ब्र या बुज़ुर्ग़ से फ़ायदा पहुंचे तो मुर्शिद की तरफ़ से समझे। बेदारी व नींद हर हाल में आदाब मलहूज़ रखे।

हर किरा रूए ब बेहबूदी न बुद
दीदने रूए नबी सूद मंद न बुद

शराइते मशाइख

वाज़ेह रहे कि दरजा-ए-मशाइख जितना अज़ीमुश्शान है उतना ही मुश्किल व पुरख़्तर है। जिनके रुतबे हैं सिवा उनको सिवा मुश्किल है।

शेख़ व पीर बन जाना आसान काम नहीं है। बल्कि जान खो देने से भी ज़्यादा मुश्किल काम है। इस मनसबे अज़ीम के कुछ शराइत हैं। जो ज़िक्र किये जाते हैं :-

1. कम से कम क़ुरआन मजीद और ज़रूरी मसाइले शरीअत का इल्म रखता हो।

बिलकुल जाहिल पीर बनने का अहल नहीं।

2. सुन्नी सहीहुल अक़ीदह होना ज़रूरी है। कोई बद दीन, बद मज़हब मसलन वहाबी, देवबन्दी हार्गिज़ पीर होने का अहल नहीं है। इनकी बैअ़त हराम है।

3. मुत्तबा-ए-सुन्नत व पाबन्दे शरीअत हो। कम अज़ कम इतना ज़रूर हो कि गुनाह कबीरा से बचता हो और सग़ीरह पर इसरार ना करता हो। दाढ़ी मुंडाने वाला हद्दे शरअ़ से ज़ियादा कटाने वाला, नमाज़ रोज़ा, छोड़ने वाला अलल ऐअ़लान गुनाह कबीरा करने वाला हर्गिज़-हर्गिज़ पीर होने के लायक़ नही खिलाफे शरअ अमल करता हो उसकी बैअ़त नाजाइज़ है।

4. ये भी ज़रूरी शर्त है कि शेख़ का सिलसिला अलल इत्तेसाल नबीए करीम सल्लल्लाहु

अलैहि वसल्लम तक पहुंचता हो और सिलसिला कहीं से भी मुनकताअ ना हो बाअज़ लोग बिला ख़िलाफ़त हासिल किये लोगों को मुरीद करते हैं। इससे सिलसिला मुनकतअ़ हो जायेगा और मुरीदीन फ़ैज़ान से महरूम रहेंगे।

5. फ़राइज़ व वाजिबात के साथ-साथ सिलसिले के औराद व वज़ाइफ़ का भी पाबन्द हो।

6. अमर बिलमाअ़रूफ़ नही अनिल मुनकर करता हो।

7. अपने मुरीदों के अअमाल का मुहासिबा भी करता हो और उनकी किसी शरई लग़ज़िश पर मुवाख़िज़ाह करने में चश्मपोशी व कोताही ना करता हो।

8. मशइख़ कीसोहबत उठाकर कसबे सुलूक़ कर चुका हो औरनिस्बत मुताअद्दिया रखता हो ताकि अपनी बातिनी तवज्जुहात से मुरीद के लताइफ़ पर फ़ैज़ पहुंचा सके।

9 नफ़्स व शैतान के धोकों और अस्बाबे उरूज़ व नुज़ूल से वाक़िफ़ हो और तरबियते मुरीदीन से आशना और उन पर शफ़ीक़ हो।

10 ना महज़ सालिक हो ना महज़ मजज़ुब कि यह दोनों बेअत के क़ाबिल नहीं, बल्कि मजज़ुब सालिक हो जो बेहतर है, वर्ना सालिक मजज़ुब हो

जिसमें मज़कूरह शराइत नहीं उसकी बैअत मुज़िर है वो रहबर नहीं राहज़न है।

औरादे ज़रुरियह

जब तालिब तसहीहे अ़काइद व ज़रूरियाते दीन से फ़ारिग़ हो तो उसे मनाज़िले सुलूक़ तैय करने के लिये तैयार होना चाहिये क्योंकि अल्लाह रब्बुल इज़्ज़त की तलब फ़र्ज़ हैऔर तसहीहे अक़ाइद व ज़रूरियाते दीन उसका मुकद्दमा है। तमाम मुतफ़र्रिक़ फ़राइज़ जुज़ हैं। इस एक अज़ीम फ़र्ज़ के जो ज़िक्र हैअल्लाह तआला का 'क़ाल तआला ''व ज़िकरुलाहि अकबर'' पारा - 21तफ़्सीर में है कि जिक्र से अल्लाह जल्ला शानुहू व रसूलुल्लाह सल्लल्ला हो अलैही वसल्लम की मुहब्बत हासिल होती है।

तरीका-ए-ज़िक्रे ज़ाती

ये है कि जुबान तालू से लगा दे। लब लब पर और दांत दांतों पर जमा दे और अपने दिल को ख़्यालात व ख़तरात से खाली कर दे यानि दिल में सिवाए ज़ाते बारी तआला के किसी का तसव्वुर ना हो और शेख़ की सूरत मद्देनज़र रखे और बग़ैर ज़ुबान हिलाए और ज़िस्म के किसी हिस्से को

हरक़त दिये, सिर्फ़ ख़्याल से क़ल्ब से (महल क़ल्ब पिस्तान से दो अंगुश्त नीचे पहलू माइल है) अल्लाह अल्लाह करता जाए और ख़्याल में रखे कि मौला तआला तमाम सिफ़ात कमालिया से मुत्तसिफ़ और रज़ील सिफ़ात से मुनज़्ज़ह व पाक है और इस्म पाक को बड़ी मोहब्बत से पढ़े और हैबत से क़ल्ब पर ज़र्ब करे। ये ज़िक्र ज़ाती रोज़ाना बढ़ाते बढ़ाते 25 हज़ार तक पहुंचाए और इस पर मुदावमत करे ताकि क़ल्ब ज़िक्र के सबब जारी हो जाए।

जो किसी कामिल से मुंसलिक हुआ और तलक़ीने ज़िक्र से मुशर्रफ़ हुआ उसे चाहिये के रात के पिछले पहर में नमाज़ तहज्जुद के लिये उठे और बवक़्ते बेदारी दस बार 'असतग़्फ़िरुल्लाह' और दस बार 'सुब्हानल्लाह' और दस बार 'अल्लाहो अकबर' पढ़े।

फिर वुज़ू करके नमाज़ तहज्जुद अदा करे

जिसकी तअदाद दो से लेकर बारह रकअत तक है। बादुहू फ़ज्र तक ज़िक्रे इस्मे ज़ाती मज़्कूरा तरीक़े से करता रहे। जिसमें दवाम हासिल होने पर अगर मुर्शिद ने मुराक़बा सिखाया है तो उसमें मशग़ूल हो क्योंकि ज़िक्र से मक़सूद मुराक़िबा हासिल करना है।

मुराक़बा :- से मुराद अपने लतीफ़-ए-क़ल्ब पर बवास्ता मुर्शिदे करीम वुरूदे फ़ैज़ का लिहाज़ करना कि मौला-ए-करीम की तरफ़ से मुर्शिद के सीने से मेरे क़ल्ब में फ़ैज़ आ रहा है। इस मुराकिबा से उन्सियत और हुज़ूर मौला तआला का हासिल होता है और ग़ैर खुदा से ग़फ़लत व फ़रामोशी हासिल होती है। ज़िक्र व मुराक़बा की हालत में और खुसूसन जब ख़तरात व ख़्यालात लाहिक़ हों तो अपने मुर्शिद कामिल की सूरत मुबारक ख़्याल में मज़बूत रखे जिसको राबिता कहते हैं कि यह इन्तेहाई नफ़ाबख़्श है और हर 100 मर्तबा ज़िक्र जाती के बाद बारगाहे

खुदावन्दी में इन्तेहाई तज़र्रोअ व ज़ारी के साथ ख़्याल की मदद से यूं कहे "इलाही तू ही मेरा मक़्सूद है और तेरी खुशनूदी, मुझे अपनी मोहब्बत व माअरेफ़त नसीब फ़रमा।।" इसके बाद फिर ज़िक्र शुरू करे, यहां तक कि सुबह सादिक़ हो जाए। फिर फ़ज्र की सुन्नत पढ़े और नमाज़ बा जमाअत अदा करे और बाद फ़र्ज़ के 33 बार सुब्हानल्लाह, 33 बार अल्हम्दुलिल्लाह और 33 बार अल्लाहो अकबर पढ़े और कलमा-ए-तौहीद से सौ का अदद पूरा करे। 'ला इलाहा इल्लल्लाहो वहदहू ला शरीका लहू लहुल मुल्को वलहुल हम्दू व हुवा अला कुल्लि शैयइन क़दीर" और अगर इस कलमे को बाद नमाज फज्र दस मर्तबा और बाद नमाज़े मग़रिब दस मर्तबा जगह से उठने से पहले पढ़ें तो बेहतर है और बाद फ़ज्र व मग़रिब सात-सात मर्तबा "अल्लाहुम्मा अजिरनी मिनन्नार" यानी ख़ुदाया मुझे दोज़ख़ से बचा, कहा करे।

फिर तिलावत और दलाइलुल ख़ैरात शरीफ में मशगूल हो ! अगर इजाज़त मिली हुई हो वर्ना ज़िक्र, मुराकिबा और राबिता व दुआ में मशगूल रहे, यहां तक कि सूरज बुलन्द हो जाए फिर इशराक़ की दो रक़अत नमाज़ अदा करे और अगर चार पढ़े तो बेहतर है। इशराक़ की अदायगी के बाद जो तालीम व तदरीस का शुगुल रखता हो करे या तिजारत व कारोबार जो हो करे। मगर इसके आदाब मलहूज़ रखे मसलन हुस्ने नियत, रास्तगोई, कसम ना खाना, अल्लाह से ग़ाफ़िल ना रहना बल्कि कारोबार से फ़ारिग़ हो तो 25 मर्तबा इस्तिग़फ़ार करना, ग़ैरों की सोहबत से बचना। जिनको मौला की तलब ना हो और मशाइख़े तरीक़त से मुनकिर हो। खुसूसन इस के मुर्शिद का मुनकिर हो या ऐतराज़ रखता हो या दोस्त ना रखता हो, उसके मुर्शिद से या मुर्शिद को उससे ऐतराज़ हो बल्कि मुर्शिद को उसके नाम से रूगरदानी हो ऐसे लोगों की सोहबत ज़हरे कातिल

है। जितना हो सके इज्तिनाब करे। हर महीने में तीन रोज़े रखे। शव्वाल के छः रोज़े और ज़िलहज्जा के इब्तदाई 9 रोज़े रखे। इससे दिल ज़्यादा साफ़ होता है और रमज़ानुल मुबारक में कोशिश करे कि क़िस्म-क़िस्म के ख़ैरात व इबादात से माअमूर गुज़रे। क्योंकि जिसे इस माह में इबादात से जमइयत हासिल हुई तो पूरा साल जमइयत से गुज़रेगा।

जब खाना खाने जाए तो तमाम आदाबे शरईमलहूज़ रखे। यानि हाथ धोकर बिस्मिल्लाह से शुरू करें और शुक्र पर ख़त्म करे और दरमियान में यादे खुदा बरक़रार रहे।

वक़्त चाश्त 12 रकआत अदा करे। ज़ोहर से क़ब्ल कैलूला करे कि यह तहज्जुद का मुआविन है। नमाज़ ज़ोहर बाजमाअत मअ सुन्नत व नवाफ़िल अदा करे। बादहू क़दरे तिलावत करे तो देखकर तरतील व तजवीद के साथ हो।फिर अगर काम हो तो जाए वर्ना अस्र तक ज़िक्र में रहे और

अहलुल्लाह की कुतुब का मुतालआ करे। खास कर तालीफ़ात इमाम गिज़ाली व आरिफ़े सोहरवर्दी व रसाइले हज़राते नक्शबन्दिया कुद्दिसा सिर्रूहुम या मकतूबात शरीफ़ या मक़ामात सईदिया वगैरह का मुतालअ करे। सालिक को कश्फ़ पर मग़रूर नहीं होना चाहिये क्योंकि मक़सूद यह नहीं बल्कि ज़ाहिर को इत्तेबाए सुन्नत से और बातिन को मुदावमत व इस्तिक़ामत से मुज़य्यन करना मक़सूद है।

ज़ाहिर को बर्दाश्त, तवाज़ोअ, इन्किसारी, शफ़क़त, मुरव्वत, ईसार ख़िदमत, ग़मगुसारी, अफ़ू व दरगुज़र, सखा, हया व रास्ती, वाअदा वफ़ाई अहद पैमानी, नेक गुमानी, अख़लाक़, अपने को नाचीज़ जानना, दूसरों के अअमाल बड़े जानना वग़ैरह से मौसूफ करे और बातिन को तौबह, जोहद, परहेज़गारी, सब्र शुक्र, तवक्कुल, रज़ा, खुलूसे निय्यत, उम्मीदे ख़ैर, ख़ौफ़े ख़ुदा,

मख़्लूक की मदद से मौसूफ़ करे और हिर्सो बुख़्ल व कीना व हसद व बदख़्वाही व बुग़्ज़ व अदावत से नीज़ बड़ाई उज़्ब, रिया, दिखावे से इजतिनाब और गुरेज़ करे और सालिक को चाहिये कि दिन के अव्वल और आख़िर वक़्त को तस्बीह व तहलील और इस्तिग़फ़ार व दुरूद शरीफ़ में गुज़ारे। मग़रिब बा जमाअत मेअ सुनन व नवाफ़िल अदा करे। (6) रक्आत अव्वाबीन अदा करे। फिर इशा तक ज़िक्र व मुराकबा में शाग़िल रहे। बादुहू इशा बाजमाअत अदा करे। दायें पहलू बावुज़ू किब्ला रू तहज्जुद की तैयारी से पाक बिस्तर पर सोए।

तवस्सुल

मुरीद को चाहिये कि रोज़ाना एक दफ़ा अल्लाह तआला के हुज़ूर अपने मशाइख़े सिलसिला का वसीला ले जिसका बेहतरीन वक़्त नमाज़ तहज्जुद के बाद का है।

तरीक़ा-ए-तवस्सुल :- ये है कि एक बार सुरऐ फ़ातिहा और तीन बार सुरऐ इख़्लास पढ़ कर कहे इलाही पहुंचा दे सवाब मेरे पढ़ने का जनाब सैय्यदुल मुरसलीन सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम को और तमाम अम्बिया व मुरसलीन और मलाइका मुक़र्रबीन और तमाम सहाबा व ताबिईन और औलिया-ए-सालेहीन को। ख़ासकर हुज़ूर शहंशाहे बग़दाद व तमाम ख़्वाजगाने नक्शबन्दिया कुद्दिस सिर्रूहुम को और उन लोगों को जिनका मुझ पर हक़ है फिर शजरह, पढ़े।

शजरह मुबारका सिलसिलाए आलिया नक्शबन्दिया मुजद्दिदिया मज़हरिया सिद्दिक़िया

अलहम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन वस्सलातो वस्सलामो अला सय्यिदिल कौनैने व रसूलिस्सकलैने मुहम्मदि निल मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो तअला अलैहे व अस्हाबिही अजमईन। अम्मा बअद फ़हाज़िही सिलसिलती मिन मशाइख़ी फित्तरीक़तील आलिया तिन नक्श-बन्दिया।

इलाही बिहुरमते शफ़ीइल मुज़निबीन रहमतिल लिल आलमीन सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम।

इलाही बि हुर मते अमीरिल मोमिननि सैय्यदिना अबीबकरे निस्सिद्दीक रदियल्लाहो तअला अन्हो

इलाही बिहुरमते साहिबे रसूलिल्लाह हज़रत सलमानल फ़ारसी रदि यल्लाहो अन्हो

इलाहि बिहुरमते सय्यिदिनल इमाम क़ासिम बिन मुहम्मद बिन अबीबक्र निस्सिद्दीक रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिनल इमाम जअफरिनिस्सादिक रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सुल्तानिल आरिफ़ीन सैय्यिदिना अबीयज़ीदल बुस्तामी रदियल्लहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यदिना अबिल हसन खरक़ानी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना अबिलफ़ज़्ल फ़ारमदी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना अबी याक़ूब यूसुफ़ अलहम्दानी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना ख़्वाज़ा अब्दिल ख़ालिक़ गज़दवानी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना ख़्वाज़ा आरिफ़

रेवगरी रदि यल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना ख़्वाजा महमूदिल ख़ैर फ़ग़नवी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना ख़्वाजा अली रामैतनी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना ख़्वाजा मुहम्मद बाबा समासी रदियल्लहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना सैय्यिदुल अमीरे कलाल रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना कुतुबित्तराइक़ व गौषिल ख़लाइक़ ख़्वाजए ख़्वाजगान ख़्वाजा

मुहम्मद बहाउद्दीन मुहम्मदिल बुख़ारी यिन नक्शबन्दी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना अलाइद्दीन मुहम्मदिल अत्तार रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना याकूब चरखी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना नासिरिद्दीन

ख़्वाज़ा उबैदिल्लाह अहरार समरकन्दी रदियल्लाह अन्हो

इलाही बि हुर मते सैय्यदिना मोहम्मद ज़ाहिद रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बि हुर मते सैय्यदिना मुहम्मद दरवेश रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बि हुर मते सैय्यदिना मुहम्मद ख़्वाज़ा अमकेनगी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बि हुर मते सैय्यदिना ख़्वाज़ा मुहम्मद बाक़ी बिल्लाह रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बि हुर मते सैय्यदिना इमाम रब्बानी मुजद्दिदे अल्फ़े सानी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते उर्वतिल वुस्क़ा सैय्यिदिना अश्शैख़ ख़्वाज़ा मोहम्मद माअसूम रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सुलतानिल औलिया सैय्यिदिना अशशैख़ सैफिद्दीन रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिनस्सय्यिद नूर मुहम्मद बदायूनी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते कय्यिमित्तरीक़तिल अहमदिया मोहियिसुन्नतिन्नबविया सैय्यिदिना शमसिद्दीन
हबीबिल्लाह मिर्ज़ा जानेजानां मज़हरुिश्शहीद रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना अश्शैख़ अब्दिल्लाह अलमाअरूफ़ बगुलाम अली अहमदी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना अश्शैख़ अबी सईद रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना अश्शैख़ अहमद सईद रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते सैय्यिदिना ख्वाज़ा मोहम्मद मजहर मदनी रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते गौसे दोरां महबूबे रहमान शैखिना व इमामेना व वसीलतिना हज़रत शाह सिद्दीकिल्लाह रदियल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते कय्यूमे जमां महबूबे सुब्हान मुर्शिदना व मौलाना शाह अब्दिर्रहीम रदियल्लाहो

अन्हो

इलाही बिहुरमते कुदवतिस्सालिकीन जुबदतिल आरिफ़ीन कुतबे जमां मौलाना मुर्शिदिना हज़रत शाह मुहम्मद इस्हाक़ रदिअल्लाहो अन्हो

इलाही बिहुरमते शैख़िलइस्लाम वलमुसलिमीन सैय्यदिना व मुर्शिदिना अश्शाह सैय्यद अल्लामा अल्हाज़ गुलाम हुसैनशाह मद्दजिल्लुहु तआला ज़ीलानी फ़क़ीर हक़ीर

नाम ....

पता ....

पर रहम फ़रमा और अपनी मअरिफ़त व मुहब्बत व सिद्को खुलूसे वाफ़र ज़ौक़ व शौक़ मुतकासिर व निस्बत व कमालात इन अज़ीज़ों के अता फ़रमा और आक़िबत बख़ैर फ़रमा। आमीन सुम्मा आमीन बिरहमतिका या अरहमर्राहिमीन।

ख़त्म ख़्वाजगाने नक्शबन्दिया (कबीर)

सूरए फ़ातिहा — 7 मर्तबा

बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम
अलहम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन0
अर्रह्मानिर्रहीम0 मालि–कि यौमिद्दीन0
इय्या – क नअबुदु व इय्या – क
नस्तईन0 इहदिनस्सिरातल् मुस्तक़ीम0
सिरातल्लजी – न अन्अम्–त अलैहिम्
ग़ैरिल् मग़दूबि अलैहिम् व लद्दाल्लीन्0
आमीन

★★★★

दूरूद शरीफ़ — 100 मर्तबा

अल्लाहुम्म सल्लेअला सैय्यिदिना
मुहम्मदिव व आलेही व असहाबेही व
बारिक व सल्लिम

★★★★

सूरए अलम नशरह बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम अलम नश रह ल क सद र क व व दअ ना अन क विज़्रक अल्लज़ी अन क द जह रक व र फअ ना ल क ज़िक रक फ इन्न म अल उसरि युसरन इन्न म अल उसरि युसरा0 फइज़ा फ रग त फन सब व इला रब्बि क फरग़ब : ★★★★	79 मर्तबा
सूरए इख़्लास बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम क़ुल हुवल्लाहु अहृद0 अल्लाहुस्समद0 लम् यलिद0 व लम् यूलद0 व लम् यकुल्लहू कुफुवन् अहद्0 ★★★★	1000 मर्तबा
सूरए फ़ातिहा बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम अलहम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन0	7 मर्तबा

अर्रह्मानिर्रहीम0 मालि-कि यौमिद्दीन0
इय्या - क नअबुदु व इय्या - क नस्तईन0
इहदिनस्सिरातल् मुस्तकीम0
सिरातल्लजी - न अन्अम्-त0 अलैहिम्
ग़ैरिल् मग़दूबि अलैहिम् व लद्दाल्लीन्0
आमीन

★★★★

दुरुदे नक्शबन्दिया:– अल्लहुम्मा सल्ले अला सैय्यिदिना मुहम्मदिंव व इतरतेही बेअददि कुल्लि मअलू मिल्लक — 100 मर्तबा

★★★★

1. अल्लाहुम्म या कादियल हाजात	100 मर्तबा
2. अल्लाहुम्म या दाफ़िअल बालिय्यात	100 मर्तबा
3. अल्लाहुम्म या राफ़िअद्दरजात	100 मर्तबा
4. अल्लाहुम्म या शफ़ियल अमराद	100 मर्तबा
5. अल्लाहुम्म या मुफ़त्तिहल अबवाब	100 मर्तबा
6. अल्लाहुम्म या मुनज़्ज़िललबरक़ात	100 मर्तबा
7. अल्लाहुम्म या मुजीबद्दअवात	100 मर्तबा
8. अल्लाहुम्म या अरहमर्राहिमीन	100 मर्तबा

ख़त्मे ख़्वाजगाने

नक्शबन्दिया सग़ीर

सूरए फ़ातिहा

7 मर्तबा

बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम
अलहम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन0
अर्रह्मानिर्रहीम0 मालि-कि यौमिद्दीन0
इय्या - क नअबुदु व इय्या - क नस्तईन0
इहदिनस्सिरातल् मुस्तकीम0
सिरातल्लजी - न अन्अम्-त0 अलैहिम्
ग़ैरिल् मग़दूबि अलैहिम् व लद्दाल्लीन्0
आमीन

★★★★

दूरूद शरीफ़

100 मर्तबा

अल्लाहुम्म सल्लेअला सय्यिदना
मुहम्मदिव व आलेही व असहाबेही व
बारिक वसल्लिम

★★★★

या बाक़ी अन्तल बाक़ी	500 मर्तबा
★★★★	
दूरुद शरीफ़	100 मर्तबा
अल्लाहुम्म सल्लेअला सैय्यिदिना मुहम्मदिव व आलेही व असहाबेही व बारिक वसल्लिम	
★★★★	
सूरऐ फ़ातिहा	7 मर्तबा
बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम अलहम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन0 अर्रह्मानिर्रहीम0 मालि–कि यौमिद्दीन0 इय्या – क नअ़बुदु व इय्या – क नस्तईन0 इह दिनस्सिरातल् मुस्तकीम0 सिरातल्लजी – न अन्अम्–त0 अलैहिम् ग़ैरिल् मग़दूबि अलैहिम् व लद्दाल्लीन्0 आमीन	
★★★★	

मुनाज़ात ब बारगाहे क़ाजियलहाजात ब वसीला हज़रात सिलसिलाए आलिया नक्शबन्दिया रिदवानुल्लाहे अलैहिम

या इलाही रहम कर ख़ैरूलवरा के वास्ते ।
रहमते आलम मुहम्मद मुस्तफ़ा के वास्ते ।
जुमलह आलम से छुड़ाकर कर अता सिदक़ो सफ़ा
हज़रते बूबकर यारे मुस्तफ़ा के वास्ते ।
नूरे इमां से मुनव्वर कर दे या रब दिल मेरा
हज़रते सलमान क़ासिम राहनुमा के वास्ते ।
ज़ोहदो तक़वा में इलाही कर दे मुझको कामयाब
हज़रते जअफर इमामुल अतक़िया के वास्ते ।
दे मुझे इरफ़ाने कामिल ऐ खुदावन्दे करीम
कुतबे आलम बा यज़ीदे पेश्वा के वास्ते ।
दीने अहमद पर इलाही रख मुझे साबित क़दम
बुलहसन और बू अली ए पारसा के वास्ते ।

बादए वहदत पिला दे कर दे दिवाना मुझे
ख़्वाजा यूसुफ़ अब्दे ख़ालिक़ मुक़्तदा के वास्ते।
सुरमए इरफ़ां से या रब मेरी आंखें खोल दे
आरिफ़ो महमूद मुर्शिद रहनुमा के वास्ते।
सब्रो तस्लीमो रज़ा से हिस्सए कामिल मिले
शह अली रामितनी गौषुलवरा के वास्ते।
ख़्वाजाए बाबा समासी और शहे मीरे कलाल
हर दो माहो महर बुर्जे इस्तफ़ा के वास्ते।
या इलाही नक़्श कर दे दिल पे मेरे इस्मे ज़ात
पीरे पीरां ख़्वाजा-ए-मुश्किल कुशा के वास्ते।
शाह बहाउद्दीन मुहम्मद सैय्यिदो मेहबूबे हक़
नक्शबन्दो दस्तगीरे बे नवा के वास्ते।
बख़्श दे इस्यां हमारे कुर्ब अपना कर अता
शह अलाउद्दीन अत्तारे ऊला के वास्ते।
मेरी ताअत में इलाही कूछ ना हो उज्बोरिया
हज़रते याक़ूब चरख़ी बे रिया के वास्ते।

हो सफ़ाई क़ल्ब की या रब मुझे कामिल अता
शह उबैदुल्लाह शाहे असफ़िया के वास्ते।
मुझको दुन्या में लिबासे जोहद से कर सरफ़राज़
ख़्वाजा-ए-ज़ाहिद मुहम्मद पारसा के वास्ते।
ज़िन्दगी में हो गदाई कूए अहमद की नसीब
ख़्वाज़ा दुरवेशे मुहम्मद पुर ज़िया के वास्ते।
भूल जाऊं सबको या रब सिर्फ़ तू बाक़ी रहे
शाह अमकेन्गीयो बाकी बाखुदा के वास्ते।
मम्बए सिर्रे नबुव्वत मज़हरे अनवारे क़ुद्स
नाइबे हज़रत मुहम्मद मुस्तफ़ा के वास्ते।
शाह मुजद्दिद अल्फ़ेसानी शैख़े क़य्यूमे जमां
उनके फ़ैजे आमो इरशादे हुदा के वास्ते।
दिल मेरा बन जाये गहवारह तेरे इरफान का
कुतबे आलम शैख़ अहमद मुक़्तदा के वास्ते।
ज़ोहदो तक़वा मुझको तेरे फ़ज़ल से आसान हो
हज़रते माअ़सूम क़ुतबुल अतक़िया के वास्ते।

नज़अ़ में हो जलवा-ए-अहमद मेरे पेशे नज़र
शाह सैफुद्दीन शहे सिद्दिक़ो सफ़ा के वास्ते।
शौला-ए-इश्क़े नबी से दिल मेरा पुर नूर हो
हज़रते नूरे मोहम्मद पुर ज़िया के वास्ते।
दिल में हो यादे इलाही लब पे हो ज़िक्रे रसूल
शाहे मज़हर जाने जानां रहनुमा के वास्ते।
हो गुलामी शहे हर दोसरा मुझको नसीब
शाह अब्दुल्लाह पीरे खुश अदा के वास्ते।
ज़िक्र से तेरे इलाही तर रहे मेरी जुबां
शह मुहम्मद बू सईदे पेशवा के वास्ते।
मेरा मदफ़न हो मदीना में इलाहुल आलमी
हज़रते अहमद सईदे खुश लिक़ा के वास्ते।
शाफ़-ए-रोज़े जज़ा कीहो शफ़ाअ़त भी नसीब
शह मोहम्मद मज़हरे कुतबुल वरा के वास्ते।
दीनो दुनिया में इलाही सुरख़रू कर दे हमें
शह सिद्दीकुल्लाह के सिद्को सफ़ा के वास्ते।

नूरे इमां से हमारे दिल को पुर अनवार कर
शाहे मा अब्दुर्रहीमे बा खुदा के वास्ते।
जो के थे अहले अमानत शह सिद्दीकुल्लाह के
उस सदाक़त परवरे पीरे हुदा के वास्ते।
बाअद उनके फिर जो थे मसनद नशीने राहे हक़
खुश अदा इस्हाक़ कामिल पेशवा के वास्ते।
थे वो फ़रज़न्दे जनाबे ख़्वाज़ा-ए-अब्दुर्रहीम
रोशनी थे दीद-ए-दिल की ज़िया के वास्ते।
मुर्शिदे राहे तरीक़त जैबे सज्जादा थे आप
फ़ैज़े रब्ब थे तालिबों के इर्तिक़ा के वास्ते।
उनके आबाई फुयूज़ और उनकी निस्बत के तुफ़ैल
उनके दर्दो सोज़ो इश्के किबरिया के वास्ते।
फ़ैज़याब उनसे हों या रब्ब जुमला याराने तरीक़
मुश्किलें हों ह़ल शुयूखे सिल्सिला के वास्ते।
मुझ शमीमे आजिज़ो मुज़तर पे ऐ बेकस नवाज़
रहम फ़रमा मज़हरे जोहदो तुक़ा के वास्ते।

दर खुला है फ़ैज़ का थर के सूजा गांव में
ज़िन्दा करने क़ल्ब को रूह की जिला के वास्ते।
पार हो बेड़ा मेरा भी या खुदा-ए-ज़ुल्जलाल
हज़रते मेहबूब मुर्शिद पारसा के वास्ते।
पुरगुनाह 'इस्हाक' पर भी हो रहम की इक नज़र
जो है तालिब आपका बहरे अता के वास्ते।

व सल्लल्लाहो तआला अला ख़ैरे ख़ल्किही सय्यिदिना व मौलाना मुहम्मदिव्व अला आलिहि व अस्हाबिही व औलियाए उम्मातिही अजमईन, आमीन! जुलहिज्जा 1369

दुआए ख़त्मे ख़्वाजगान

बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम।

अलहम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन अलहम्दु लिल्लाहि हक़्क़ा हमदिही व सनाएही वस्सलातो वस्सलामो अला ख़ैर ख़ल्क़िही मुहम्मदिव्व आलिही व सहबेही अजमईन बल्लिग़अल्लाहुम्मा व औवसिल व क़द्दिम मिसल सवाबे हाज़िहिल खतमतिश्शरीफ़तिल मुबारकाते बाअदल कुबूले मिन्ना बिल फ़दले वल करमे इला मम्बइस्सिदक़े वस्सफ़ा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम व इला अरवाहे

कुल्लिम्मिनसादातिस्सिलसिलातिल आलीयतिन नक्शाबन्दिय्यते वलक़ादरिय्यते वस्सोहरवरदिय्यते वल कुबरविय्यते वलचिश्तीय्यते कद्दसल्लाहो असरारहुमुल कुदसिय्यह व अलल खुसूसे इला रूहे

शैखेना-------------व इला अरवाहि कुल्लिम मिनस्सादाते वल खुल्फ़ाए वल मुरीदीना वल महसूबीना वल मनसूबीना मिन हाज़िहित्तरीकतिल अलिय्यति व साएरित्तुरके, अल्लाहुम्मजअल मिसला सवाबिहा मक्तूबन फ़ी सहीफ़ते अअमाले कुल्लिंव्व ज़िदना बिहा मुहब्बतन इन्दा जनाबे कुल्लिन वाअफ़िद अलैना मिम्बरकाते कुल्लिंव्व अत्मिम लना सुलूका हाज़िहित्तरीकते व वफ़्फ़िक़ना लिमरदाते शैखिना व इमतिसाले अवामिरिही व इज्तिनाबि नवाहीहे व़र्जुकन लबक़ाअ बिका बाअदलफ़नाए फ़ीका अला कदमे सादातिनस्सालिकीन फ़ीहा रब्बनग़ फ़िरलना वले आबाईना वले इखवानिना नसबंव्व तरीकतंव्व लिमन वस्सैयना व वस्साना बिदुआइलखैर आहयाअम मिनहुम व अमवातंव्वलिकुल्लि कॉफ़्फ़तिल मुसलिमीन आमीन सुम्मा आमीन वलहम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन।

खतमे ख्वाज़गाने क़ादिरिय्यह

दो रकअत नमाज़ नफ़िल	
सूरए फ़ातिह़ा मअ बिस्मिल्लाह	111 बार
दूरूद शरीफ़	111 बार
फ़सहिहल याइलाही कुल्ल सअ्बिन	
बिहुरमते सैय्यिदिल अबरार	111 बार
सूरए यासीन मअ बिस्मिल्लाह	1 बार
सूरऐ अलम नशराह मअबिस्मिल्लाह	79 बार
या ह़य्यो या क़य्यूमो	
अलमदद या शेख़ अब्दल क़ादिर	
ज़ीलानी शयअन लिल्लाह	1000
आयतुल कुर्सी	बार
या काफ़ी अन्तल काफ़ी	111 बार

या कादियल हाजात	111 बार
या काफ़ियल मुहिम्मात	111 बार
या राफ़िअद्दराजात	111 बार
या शाफ़ियल अमराज़	111 बार
या मुजीबद्दाअवात	111 बार
या हल्लल-मुश्किलात	111 बार
या मुफ़त्तिहल अबवाब	111 बार
या खैरन्नासिरीन	111 बार
अल-अमान या रसूलल्लाह	111 बार
बिरहमतिका या अरहमर्राहिमीन	111 बार
दुरूद शरीफ़	111 बार
	100 बार

ख़त्मे ख़्वाजगाने चिश्त

बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम

सूरए यासीन मअ बिस्मिल्लाह	1 बार
सूरए फ़ातिहा मअ बिस्मिल्लाह	7 बार
दूरूदे इब्राहिमी	100 बार
सूरए अलम नशराह मअ बिस्मिल्लाह	79 बार
सूरए इख़्लास मअ बिस्मिलाह	1000 बार
सूरए फ़ातिहा मअ बिस्मिल्लाह	7 बार

दुरूद शरीफ़ :- अल्लाहुम्मा सल्लेअला मुहम्मदिव व अला आलेही बिअददे

कुल्ले शैयइन मालूमिललक	101 बार
अल्लाहुम्म या कादियल हाजात	101 बार
अल्लाहुम्म या राफ़िअद्दरजात	101 बार
अल्लाहुम्म या दाफ़िअल बलिय्यात	101 बार

कुल्ले शैयइन मालूमिललक	101 बार
अल्लाहुम्म या कादियल हाजात	101 बार
अल्लाहुम्म या राफ़िअद्दरजात	101 बार
अल्लाहुम्म या दाफ़िअल बलिय्यात	101 बार
अल्लाहुम्म या काफ़ियल मुहिम्मात	101 बार
अल्लाहुम्म या हल्लल मुश्किलात	101 बार
अल्लाहुम्म या मुजीबद्दाअवात	101 बार
अल्लाहुम्म या शाफ़ियल अमराद	101 बार
अल्लाहुम्म या मुफ़त्तिहल अबवाब	101 बार
अल्लाहुम्म या मुसब्बिबल अस्बाब	101 बार
अल्लाहुम्म या खैरन्ननासिरीन	101 बार
अल्लाहुम्म या दलीलल मुताहय्येरीन	101 बार
अल्लाहुम्म या गयासल मुसतगीसीन	101 बार
अल्लाहुम्म या मुक़ल्लिबल कुलूबे वल अबसार	101 बार

लाा हौला वला क़ुव्वता इल्ला बिल्ला हिल

अलीय्यिल अज़ीम	101 बार
बिरहमतिका या अरहमर्राहिमीन	101 बार
अल्लाहुम्म आमीन	101 बार

ख़त्मे ख़्वाजगाने सोहरवरदिया

बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम

सूरए फ़ातिहा मअ बिस्मिल्लाह	7 बार
दूरूद शरीफ़	100 बार
सूरए यासीन मअ बिस्मिल्लाह	1 बार
सूरए अलम नशराह मअबिस्मिल्लाह	79 बार
सूरए इख़्लास मअ बिस्मिल्लाह	1000 बार
सूरए फ़ातिहा मअ बिस्मिल्लाह	7 बार
दुरूद शरीफ़	100 बार

अल्लाहुम्मा या कादियल हाजात	100 बार
अल्लाहुम्मा या दाफ़िअ़ल बालिय्यात	100 बार
अल्लाहुम्मा या राफ़िअद्दराजात	100 बार
अल्लाहुम्मा या शफ़ियल अमराज़	100 बार
अल्लाहुम्मा या मुफ़त्तिहल अबवाब	100 बार
अल्लाहुम्मा या मुनज़्ज़ेललबरक़ात	100 बार
अल्लाहुम्मा या मुजीबद्दाअवात	100 बार
अल्लाहुम्मा या अरहमर्राहिमीन	100 बार
अल्लाहुम्मा या ख़ैरल हसनाते	100 बार

बराए हिफ़ाज़त

बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम।

अल्लाहुम्म अन्त रब्बि ला इलाहा इल्ला अन्त अलैक तवक्कलतो व अन्त रब्बुल अर्शिल करीम। मा शाअल्लाहो कान व मा लमयशअ लम यकुन वला हौल वला कुव्वत इल्ला बिल्ला हिल अलिय्यिल अज़ीम। आअलमो अन्नल्लाह अला कुल्ले शैइन क़दीर व अन्नल्लाह क़दअह़ात बे कुल्ले शैइन इल्मा। अल्लाहुम्म इन्नी अऊज़ोबेक मिन शर्रे कुल्ले दाब्बह। अन्त आखिज़ुम बिना सियतिहा इन्न रब्बी अला सिरातिम्मुस्तक़ीम

रोज़ाना फ़ज्र नमाज़ व इशा के बाद अव्वल आख़िर दरूद शरीफ़ के साथ पढ़े।

दुआ-ए-तसख़ीर

बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम।

अल्लाहुम्म सख्खिरली अअदाई कमा सख्खर तरीह ले सुलैमा नबने दाऊद अलैहि स्सलामो व लय्यिन हुम्म कमा लय्यन तल हदीद लेदाऊद अलैहिस्सलामो व ज़ल्लिलहुम कमा ज़ल्ललत फ़िरऔन ले मूसा अलैहिस्सलामो व क़हिहर हुम कमा कहहर ता अबा जहलिन ले मोहम्मदिन सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम।

बेहक्के क़ाफ़ हा या अैन साद व बेहक्के हा मीम अैन सीन क़ाफ़ सुम्मुन बुकमुन उम्युन फ़हुम लायुबसेरुन सुम्मुम बुकमुन उम्युन फ़हुम ला यअ़क़ेलून सुम्मुम बुकमुन उम्युन फ़हुम ला यरजेऊन इय्याक नअ़बुदु व इय्याक नस्तईन फ़सयक्फ़ीक हुमुल्लाहु वहो व स्समीउल अलीम वलहम्दु लिल्लाहि रब्बिल आलमीन।

नोट : यह सुबहो शाम अव्वल आख़िर 3-3 बार दुरूद शरीफ़ के साथ रोज़ाना पढ़ी जाए।

दुआ-ए-अनस

बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम।

बिस्मिल्लाहे अला नफ़्सी व दीनी बिस्मिल्लाहे अला अहली व माली व वलदी, बिस्मिल्लाहे अला मा अअतानियल्लाहो, अल्लाहो रब्बी ला उश्रेको बेही शैआ, अल्लाहो अकबर, अल्लाहो अकबर व अअज़्ज़ो व अजल्लो व अअज़मो मिम्मा अख़ाफ़ो व अहज़ुरो अअज़्ज़ जारोक व जल्ल सनाओक व लाइलाह गैरोक। अल्लाहुम्मा इन्नी अऊज़ोबेक मिन शर्रे नफ़्सी व मिन शर्रे कुल्ले शैतानिम्मरीद व मिन शर्रे कुल्ले जब्बारिन अनीद फ़इन तवल्लौ फ़कुल हस्बी यल्लाहो रब्बुल अर्शील अज़ीम इन्न व लिय्यियल्ला-हुल्लज़ी नज़्जलल किताब व होव यत वल्लस्सालेहीन

नोटः- इस दुआ को तीन मर्तबा सुबह और तीन मर्तबा शाम को पढ़ना बुज़ुर्गों का मअमूल है।

आयतुल कुर्सी

बिस्मिल्लाहिर्रहमा निर्रहीम

अल्लाहु ला इलाहा इल्ला हुवल हय्युल क़य्यूम ला–तअ्खुजुहू सि–न–तुँ वला नौमुल्लहू मा–फ़िस – समावाति व मा फ़िल – अर्दि मन ज़ल्लज़ी यश – फ़उ इन् – दहू इल्ला बि – इज्निही यअ्लमु मा – बैना ऐदीहिम वमा ख़ल – फहुम वला युहीतूना् बिशैइम मिन इल्मेही इल्ला बिमा शाआ् वसिआ कुर – सीय्युहुस – समावाति वल–अ़र्दे वला यऊ – दुहू हिफ्ज़ुहुमा व – हुवल अ़लीय्युल अ़ज़ीम।

मसनून दुआएं

घर में दाख़िल होते वक़्त

अल्लाहुम्मा इन्नी अस्अलु-क खैरल्-मौलज व खैरल्-मख्-रजि। बिस्मिल्लाहि व लज्ना व बिस्मिल्लाहि खरजना व अलल्लाहि रब्बिना त-वक्कल्ना।

तर्जुमा : ऐ अल्लाह मैं तुझसे सवाल करता हूं अच्छे दाख़िल होने और बेहतर निकलने का। अल्लाह के नाम से दाख़िल हुआ और हमने अल्लाह पर भरोसा किया (फिर घर वालों को सलाम करें)

घर से बाहर निकलते वक़्त

बिस्मिल्लाही तवक्कल्-तु अलल्लाहिव ला
हौ-ल वला कुव्व-तः इल्ला बिल्लाह।

तर्जुमा : मैं अल्लाह का नाम लेकर निकला, मैने अल्लाह पर भरोसा किया गुनाहों से बाज रहने

और इबादत व नेकी करने की ताकत अल्लाह ही की तरफ़ से है।

खाना शुरु करते वक़्त

बिस्मिल्लहिव अला बरकतिल्लाहि।

तर्जुमा : मैंने अल्लाह के नाम और अल्लाह की बरकत पर खाना शुरू किया।

खाने के बाद

अलहम्दू लिल्लाहिल्लजी अतअमना व सकाना व हदानावजअलना मिनल मुस्लिमीन।

तर्जुमा: तमाम खूबिया उस उल्लाह के लिए है जिसने हमें खिलाया और पिलाया और हिदायत दी और मुसलमान बनाया।

सोते वक्त यह दुआ पढ़ें

अल्लाहुम्मा बि इस्मिक अमूतु व अहया।

तर्जुमा : ऐ अल्लाह मैं तेरा नाम लेकर मरू तेरा नाम लेकर जिन्दा रहूं। इसके बाद 33 बार

सुब्हानल्लाह 33 बार अलहम्दुलिल्लाह, 34 बार अल्लाहु अकबर। फिर एक बार आयतुल कुर्सी, एक बार सुरए फ़ातेहा और एक बार सूरए इख़्लास और 1 बार सूरए काफ़ेरून पढ़ें। इसके बाद अस्तगफिरुल्ला हल्लज़ी लाइलाहा इल्ला हुवल हय्युल क़य्युमू वअतूबो इलैहे तीन बार पढ़ें और बिस्तर को तीन बार झटक कर सोयें ये नबीए करीम की सुन्नत है।

जब नींद से बेदार हो

अल्हम्दु लिल्लाहिल्लज़ी अहयाना बअ-द मा अमा-तना वइलैहिन्-नुशूर

तर्जुमा : सब खूबियां उस अल्लाह के लिए हैं जिसने हमको जिन्दा किया बाद मौत देने के और उसी की तरफ़ जाना है।

बाद नमाजे असर पढ़े

बाद नमाजे असर 100 बार दुरूद शरीफ, 100 बार लाइलाह इल्ला अन्त सुब्हानक इन्नी कुन्तो मिनज्ज़ालिमीन, 100 बार लाहोल वलाकुव्वत इल्ला बिल्ला हिलअलिय्यिल अज़ीम , 100 बार दुरूद शरीफ पढ़े । और 300 बार सुब्हानल्लाहे वलहम्दोलिल्लाहे वलाइलाह इल्लल्लाहो वल्लाहो अकबर वला होल वलाकुव्वत इल्ला बिल्लाहिल अलिय्यिल अज़ीम, 300 बार अस्तग़फिरूल्लाह या रब्बी मिन कुल्ले ज़ंम्बिंव्व अतूबो इलैहे, 300 बार अल्लाहुम्म सल्ले वसल्लिम वबारिक अला सय्यिदिना मुहम्मदिन सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम क़द दाक़त ही लती अन्तवसिलति अद्रिकनी या रसूलल्लाह सल्लल्ला हो अलैहे वसल्लम

दुआए कअब अहबार

रदियल्लाहोअन्हु

बिस्मिल्लाहिर्रहमान्निर्रहीम

अऊ़जु बेवज्हिल्लाहिल अ़ज़ीमिल्लजी
लैसा शयऊन अअ़ज़मा मिन्हु व
बेकलेमातिल्लाहित्ताम्मातिल्लाती
ला युजाविज़ुहुनन बर्रून वलाफाजिरून
व बेअस्माइल्लाहिलहुस्ना कुल्लेहा
मा अलिम्तु मिन्हा व मा लम अअ़लम्
मिनशर्रें मा ख़लका व बरअ व ज़रअ

(मुवत्ता इमाम मालिक मिश्कात शरीफ)

दुआ नादे अली

अव्वल आखिर दुरूद शरीफ
सात-सात बार
रोज़ाना एक सो इक्कीस बार

बिस्मिल्लाहिर्रहमान्निर्रहीम
नादे अलीयम मज़्हरिल अजाइबे
तजिदहो अओनल्लक फिन्नवाऐबे
कुल्लो हम्मिन व गम्मिन स यनजली बे
अज़्मतिक या अल्लाह व बे नब्ब्वतिक
या रसूलल्लाह वबे विलायतिक
या अली या अली या अली

बिस्मिल्लाहिर्रहमान्निर्रहीम

या मलाइ कतु कुल्ललुकुम बिअम रिल्लाहि अन तुगीसुनी व अन तुमिद्दूनी व अन तुइनूनी फी मुरादी व कमसूदी वह फ़जूली माली व अहली व वलदी व वालिदी व जुर रिय्याती व इख्वानी व अहिब्बाई व अस दिकाई वमा अहा तत अलैहि शफ्कतु कल्बी मिन आफातिहुन्या वल आखि रति व मिन नुहुसातिहिम व मिन नुहूसातिज़्ज़ुहलि वल मुशतरिय्यि वल मिररीखी वश्शमसि वज़्ज़ुहरति वल अतारूदि वल क मरि वर रअसि वज़्जम्बि वल इकलीलि व मिन शर रि कुल्लि ज़ी शर रिम मिनल जिन्नि वल इनसि वश्शय्यातीनि व साहिरीव व फजिरिवं व ज़ालिमिंव व बागिंव व तागिंव व मारिदिंव व मुआनिदिंव व नातिकिंव व साकितिंव व मु तहररिकिंव व साकिनिंव व हाम्मतिवं व शाम्मतिंव व लाम्मतिवं व ज क रिंव व उन्सा व मिन आफातिस्समाई

वल अरदि व मिन शर रिल बरिय्याति वल बहरिय्याति अजमईन व अअमू अब्सारहुम व अकबिदू लिसानहुम व अय दियहुम व अलिलमूनी इल्मल्लजी यकुनू नाफिअंव व व सरफन अला जमीइल उलूमि व अअतूनी रिज़ कन हलांन तय्यिबंव व जल्लब तुकुम लिजल्बि कुलूबिल खल्कि मिनर रिजालि वनिन्साई इलय्य बिल मवद्दति वल मुहब्बती वन सुरूनी नुसरतन अला साईरिल अअदाई व अख्बिरूनी माफिल हवादिसिल खैरि वश्शर्रि कब्ल वक तिल वुकूई वमा अतलुबु मिन अख्बारिल आ लमि अल अजल अल अजल अस्सा अह अस्सा अह अलवहा अलवहा अलवहा बिहक्कि सय्यिदिल अब्रारि सय्यिदिना मुहम्मदिर रसूलिल्लाहि सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम व आलिही व असहाबिही व लदि हिश्शरी फिस्सयिदि मुहिय्यिद्दीने हज़रतिश्शैखि अब्दिल कादिरिल जीलीनी रदियल्ला अन्हु वबिहक्कि सय्यिदिना सुलैमानब्नि दावूद अलैहिमस्सलामु बिरहमति क या अर हमर राहिमीन।

सुरह यासीन

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम : यासीन - वल-कुरआनिल हकीम इन्न-क ल-मिनल मुर्सलीन. अला सिरातिम मुस्तक़ीम. तन्ज़ी-लल अज़ीज़िर्रहीम. लितुन्ज़ि-र क़ौमम् मा उन्जिर-र आबाउहुम फ़हुम ग़ाफ़िलून. ल-क़द हक़्क़ल कौलु अला अक्सरिहिम फ़हुम ला युअ्मिनून. इन्ना जअल्ना फ़ी अअ्नाक़िहिम अग़लालन फ़-हिय इलल अज़्क़ानि फ़हुम मुक़्महून. व जअल्ना मिम्बैनि ऐदीहिम सद्दंव-व मिन ख़ल्फ़िहिम सद्दन फ़-अग़्शै नाहुम फ़हुम ला युब्सिरून. व सवाउन अलैहिम अ अन्ज़र्तहुम अम लम तुन्ज़िर्हुम ला युअ्मिनून. इन्नमा तुन्जिरू मनित-त-ब-अज़्ज़िक-र

व ख़ाशियर्रहमा-न बिल्ग़ै बि फ़-बश्शिरहु बिमग़्फ़िरतिंव व अज्रिन करीम. इन्ना नहनु नुहियल् मौ-त व नक्तुबु मा क़द्दमू व आसा-रहुम, व कुल-ल शैइन अहसैनाहु फ़ी इमा मिम् मुबीन. वज़्रिब लहुम म-स-लन अस्हा-बल क़र्यति इज़् जा-अ-हल् मुर्सलून. इज़् अर्सल्ना इलैहिमुस्नैनि फ़कज़्ज़बु हुमा फ़अज़्ज़ज़्ना बिसा-लिसिन फ़क़ालू इन्ना इलैकुम मुर्सलून. कालू मा अन्तुम इल्ला ब-श-रूम मिस्लुना व मा अन्ज़लर्रह-मानु मिन शैइन इन अन्तुम इल्ला तक्ज़िबून. कालू रब्बुना यअ्-लमु इन्ना इलैकुम ल-मुर्सलून. वमा अलैना इल्लल बलागुल मुबीन. क़ालू इन्ना त-तैयर्ना बिकुम लइल्लम तन्तहू ल-नर्जुमन्नकुम व ल-य-मस्सन- नकुम मिन्ना अज़ाबुन अलीम. क़ालू ताइरूकुम म-अ-कुम अइन ज़ुक्किर्तुम बल अन्तुम क़ौमुम मुस्रिफून व जा-अ मिन अक़्सल मदीनति रजुलुँय-यस्आ क़ा-ल याक़ौमित्-तबिउल मुर्सलीन. अत्तबिऊ मल्ला यस्अलुकुम अजरवँ-व हुम मुहतदून.

वमालि-य ला अअ्बुदुल्लज़ी फ़-त-र-नी व इलैहि तुर्जऊन अ-अत्तख़िज़ु मिन दूनिही आलिहतन इंय्युरिद् निर्रहमानु बिज़ुर-रिल्ला तुग़्नि अन्नी शफ़ाअतुहुम शैअवँ-व ला युन्क़िज़ून. इन्नी इज़् ल्लफ़ी ज़लालिम मुबीन इन्नी आमन्तु बिरब्बिकुम फ़स्मऊन. क़ीलद्ख़ुलिल जन्न-त, का-ल यालै-त क़ौमी यअ्लमून बिमा ग़-फ़र-ली रब्बी व ज-अ-लनी मिनल मुक्रमीन व मा अन्ज़ल्ना अला क़ौमिही मिम् बअ्दिही मिन जुन्दिम् मि-नस्समाइ वमा कुन्ना मुन्ज़िलीन. इन कानत इल्ला सैहतँव वाहि-द-तन फ़इज़ा हुम ख़ामिदून या हस्रतन अललइबादि मा यअ्तीहिम मिर-रसूलिन इल्ला कानू बिही यसतह-ज़िऊन अलम यरौ कम अहलक्ना क़ब्लहुम मिनल् क़ुरूनि अन्नहुम इलैहिम ला यर्जिऊन. व इन कुल्लुल् लम्मा जमीउल्लदैना मुहज़्रून. व आयतुल लहुमुल् अर्ज़ुल मैततु अहयैनाहा व अख़्रजना मिन्हा हब्बन फ़मिनहु यअ्कुलून.

व जअल्ना फ़ीहा जन्नातिम मिन् नख़ीलिवँ-व अअ्नाबिंव-व फ़ज्जर्ना फ़ीहा मिनल उयून. लि याकुलू मिन स-म रिही व मा अमिल-तहु अयदीहिम, अ-फ़-ला यशकुरून. सुब्हानल्लज़ी ख़-ल-क़ल् अज़्वाज कुल्लहा मिम्मा तुम्बितुल अर्ज़ु व मिन अन्फ़ुसिहिम व मिम्मा ला यअ्लमून. व आयतुल्ल-हुमुल्लैलु नसलख़ु मिनहुन्नहा-र फ़इज़ा हुम मुज़्लिमून वश्शम्सु तज्री लि मुस्तक़र्रिल्लाहा ज़ालि-क तक़्दीरूल अज़ीज़िल अलीम. वल-क़-म-र कद्दर्नाहु मनाज़ि-ल हत्ता आ-द कलउर्जूनिल् क़दीम. लश्शम्सु यम्बग़ी लहा अन्तुद्रिकल क़-म-र वलल्लैलु साबिकुन्नहारि व कुल्लुन फ़ी फ़-ल-किंयस्बहून व आयतुल् लहुम अन्ना हमल्ना ज़ुर्रीय-त हुम फ़िल फ़ुलकिल मश्हूनि. व ख़लक़्ना लहुम मिम् मिस्लिही मा यर्कबून. व इन न-शअ् नुग़्रिक़्हुम फ़ला सरी-ख़ लहुम वला हुम युन्क़ज़ून इल्ला रह्मतम्मिन्ना व मताअन इला हीन.

व इज़ा क़ी-ल लहु-मुत्तक़ू मा बै-न ऐदीकुम वमा ख़ल-फ़-कुम लअल्लकुम तुर्हमून. वमा तअ्तीहिम मिन आयतिम् मिन आयाति रब्बिहिम इल्ला कानू अन्हा मुअ्रिज़ीन. व इज़ा क़ी-ल लहुम अन्फ़िक़ू मिम्मा र-ज़-क़-कुमुल्लाहु क़ालल्लज़ी-न क-फ़-रू लिल्लज़ी-न आमनू अनुतइमु मल्लव यशाउल्लाहु अत-अ-म-हू इन अन्तुम इल्ला फ़ी ज़लालिम मुबीन. व यक़ूलू-न मता हाज़ल् वअ्दु इन कुन्तुम सादिक़ीन मा यन्जुरू-न इल्ला सैहतँव-वाहि-द-तन तअ्ख़ुज़ु हुम व हुम यख़िस्सिमून. फला यस्ततीऊ-न तौसियतंव-व ला इला अहलिहिम यर्जिऊन. व नुफ़ि-ख़ फ़िस्सूरि फ़-इज़ा हुम मिनल अज्दासि इला रब्बिहिम यन्सिलून. क़ालू या वैलना मम् ब-अ-स-ना मिम् मर्क़दिना हाज़ा मा व-अ-दर्रहमानु व स-द-क़ल मुर्सलून. इन कानत इल्ला सैहतँवव्वा हिदतन फ़इज़ा हुम जमीउल्लदैना मुहज़रून. फ़ल्यौ-म ला तुज़्लमु नफ़्सुन शैअँव-

वला तुजज़वन इल्ला मा कुन्तुम तअ्मलून इन–न अस्हाबल जन्नतिल यौ–म फ़ी शुगुलिन फ़ाकिहून. हुम व अज़्वाजुहुम फ़ी ज़िलालिन अलल अराइकि मुत्तकिऊन. लहुम फ़ीहा फ़ाकिहतुवँ–व लहुम मा यद्दऊन सलामुन क़ौलम् मिर्रब्बिर्रहीम. वम्ताजुल यौ–म अय्युहल मुज्रिमून. अ–लम अअ्हद इलैकुम या बनी आद–म अल्ला तअ्बुदुश्शैता–न इन्नहू लकुम अदुव्वुम मुबीन. व अनिअ्बुदूनी हाज़ा सिरातुम मुस्तक़ीम. व ल–क़द अज़ल–ल मिन्कुम जिबिल्लन कसीरन अ–फ़–लम तकूनू तअ्क़िलून. हाज़िही जहन्नमुल्लती कुन्तुम तूअदून. इस्लौहल यौ–म बिमा कुन्तुम तक्फ़ुरून. अलयौ–म नख़्तिमु अला अफ़्वाहिहिम व तुकल्लिमुना ऐदी–हिम व तश्हदु अर्जुलुहुम बिना कानू यक्सिबून. वलौ नशाऊ ल–त–मस्ना अला अअ्युनिहिम फ़स्त–ब–कुस्सिरा–त फ़–अन्ना युब्सिरून. व–लौ नशाऊ ल–म–सख़्नाहुम अला मका–न–तिहिम फ़मस्तताऊ मुज़िय्यंव–वला यरजिऊन.

व मन्नु-अम्मिर्हु नुनक्किस्हु फ़िल ख़ल्कि. अ-फ़-ला यअ़ कि-लून. वमा अल्लम्ना हुश्शिअ-र वमा यम्बग़ी लहू इन हु-व इल्ला ज़िकरूँ व-व कुरआनुम्-मुबीन. लि युन्ज़ि-र मन का-न हैयँव व यहिक्क़ल क़ौलु अलल क़ाफ़िरीन. अ-व-लम यरौ अन्ना ख़-लक़्ना लहुम मिम्मा अमिलत ऐदीना अन्आ-मन फ़हुम लहा मालिकून. व ज़ल्ललनाहा लहुम फ़ मिन्हा रकूबुहुम व मिन्हा यअ्कुलून. व लहुम फ़ीहा मनाफ़िअु व मशारिबु अ-फ़-ला यश्कुरून. वत-तख़-जू मिनदुनिल्लाहि आलिहतल् लअल्लहुम युनसरून. ला यस्ततीऊ-न नस्रहुम वहुम लहुम जुन्दुम मुहज़रून. फ़ला युहज़ुन-क क़ौलुहुम इन्ना नअ्लमु मा युसिर्रूना वमा युअ्लिनून. अ-व-लम य-रल-इन्सानु अन्ना ख़-लक़्नाहु मिन्नुत्फ़तिन फ़-इज़ा हु-व ख़सीमुम् मुबीन. व ज़-र-ब लना म-स-लंव-व नसि-य ख़ल्क़हू क़ा-ल मंय्युहयिलइज़ा-म व हि-य रमीम. कुल युहयीहल्लज़ी अन्श-अ-हा अव्व-ल मर्रतिन

व हु-व बिकुल्लि ख़ालक़िन अलीम. अल्लज़ी ज-अ-ल लकुम मिनश-श-ज-रिल अख़्ज़रि नारन फ़इज़ा अन्तुम् मिन्हु तूकिदून. अ-व-लैसल्लजी ख़-ल-क़स्समावाति वल अर-ज़ बिक़ादिरिन अला अंय्यख़्लु-क़ मिस्लहुम बला व हुवल ख़ल्लाकुल अलीम. इन्नमा अमरूहू इज़ा अरा-द शैअन अंय्यकू-ल लहू कुन फ़-य-कून. फ़-सुब्हानल्लज़ी बियदिही म-ल-कूतु कुल्लि शैइंव-व इलैहि तुर्जऊन.

गुलामाने नक्शबन्द कमेटी
सुजा शरीफ, बाड़मेर (राज.)

गुलामाने नक्शबन्द कमेटी
जोधपुर (राज.)

गुलामाने नक्शबन्द कमेटी
फलौदी, जिला-जोधपुर (राज.)

गुलामाने नक्शबन्द कमेटी
बालोतरा (राज.)

गुलामाने नक्शबन्द कमेटी
बाड़मेर (राज.)